Total number of printed pages–7

**1 (Sem–1/FYUGP) HIN41MJ**

**2025**

ANANDARAM DHEKIAL PHOOKAN COLLEGE LIBRARY
Acc. No.
Date
Nagaon · Assam

**HINDI**

( Major )

Paper : HIN4100104 MJ

*( हिन्दी सम्प्रेषण )*

*Full Marks : 60*

Time : 2½ hours

***The figures in the margin indicate full marks for the questions.***

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दीजिए : 1×8=8

(क) 'अ' का उच्चारण कहाँ से होता है?

(ख) 'र' ध्वनि का उच्चारण कैसे होता है?

(ग) सही विकल्प के साथ फिर से लिखिए—

पहा(र/ड़)  टूट प(ड़/र)ना

(घ) अभिवादन के रूप में प्रयुक्त होने वाले एक शब्द लिखिए।

(ङ) पारिवारिक पत्रलेखन में स्वनिर्देश कैसे दिया जाता है?

(च) दूसरे का परिचय देते हुए नाम के आगे श्रीमान और श्रीमती का क्या अर्थ होता है?

(छ) 'आँख का अंधा नाम नयनसुख' लोकोक्ति है या मुहावरा?

(ज) ''नाच न जाने आँगन टेढ़ा''—अर्थ क्या है?

ANANDARAM DHEKIL PHOOKAN COLLEGE LIBRARY
Acc. No.
Date

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं छः* के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×6=12

(क) सम्प्रेषण किसे कहते हैं?

(ख) 'अ' कितने प्रकार के हैं? क्या क्या?

(ग) अनौपचारिक पत्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) औपचारिक पत्र में संवोधन और स्वनिर्देश के रूप में क्या लिखे जाते हैं?

(ङ) एक बूढ़े व्यक्ति से बातचीत का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(च) बैंक में नया एकाउंट खोलने के लिए शाखा प्रबंधक के साथ बातचीत का नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(छ) निम्नांकित ***दो*** वाक्यों को मुहाबरेदार रूप में प्रस्तुत कीजिए—

पुलिस को देखते ही चोर भाग गया।

मैंने उससे मदद माँगी, पर उसने मना कर दिया।



(ज) 'दाँत' पर *किन्हीं दो* मुहावरों का उल्लेख कीजिए।

(झ) 'घोड़े बेचकर सोना'—अर्थ लिखकर वाक्य रचना कीजिए।

(ञ) र, ड़ और ढ़ का प्रयोग कहाँ कहाँ होता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं चार*** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×4=20

(क) सम्प्रेषण कितने प्रकार के हैं? क्या क्या है? उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) च, छ, ज, झ ध्वनियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर मित्रों के बीच हुए वार्तालाप का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(घ) हिन्दी शिक्षक के पद के लिए प्रधानाध्यापक के नाम एक आवेदन पत्र लिखिए।

(ङ) 'मोबाइल फोन में हिन्दी टंकण की असुविधा व सुविदा के बारे में बताते हुए अपने पिता को एक पत्र लिखिए।

(च) अर्थ लिखकर निम्नलिखित मुहाबरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

घोड़े बेचकर सोना, ईद का चाँद होना

खुन-पसीना एक करना, गले लगाना।

(छ) नौकरी के लिए साक्षात्कार में अपना परिचय कैसे दिया जाना चाहिए, एक नमुना प्रस्तुत कीजिए।

(ज) उपयुक्त शीर्षक देकर निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए—

कालिदास ने ठीक ही कहा है कि सभी प्रकार के कर्तव्य पालन का प्रथम साधन शरीर ही है। स्वस्थ शरीर वाला व्यक्ति ही भली प्रकार अपने मस्तिष्क का विकास कर सकता है। सत्य है कि खेल ही हमारे शरीर और मन-मस्तिष्क का समुचित विकास करते हैं। खेलने से शरीर हृष्ट-पुष्ट होता है, शारीरिक गठन समुचित रूप से होता है। रक्त का संचार उचित रूप से शरीर में प्रवाहित होता है। खेलने से शरीर की प्रत्येक क्रिया उचित प्रकार से होती है। व्यक्ति निरोगी रहता है तथा जीवन का वास्तविक आनंद प्राप्त कर सकता है। सामान्यतः यह साधन नीरस समझे जाते हैं। प्राचीन काल में कुश्ती, कबड्डी प्रचलित थे। खेलों के दो श्रेणियों में विभाजित किया जाता है—देशी तथा विदेशी। देशी खेलों में कबड्डी, चैपड़, शतरंज, कुश्ती आदि प्रसिद्ध हैं जबकि विदेशी खेलों में क्रिकेट, हॉकी, पोलो आदि। खेलकूद के अभाव में व्यक्ति उमंग, उत्साह से कोसों दूर हो जाते हैं। आलस्य, रोग, बुढ़ापा उसे घेर लेते हैं। खेलने से मनुष्य में सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना बढ़ती है। परस्पर सहयोग, साहस, सहानुभूति, संगठन, अनुशासन जैसे चारित्रिक गुणों का समुचित विकास होता है। समरसता के गुण का सर्वाधिक विकास होता है जो हार का दुख और जीत की खुशी में सामान्य रहने की प्रेरणा देता है, सुसंस्कृत नागरिक बनाने में सार्थक सिद्ध होता है।

ANANDARAM DHEKIAL PHOOKAN COLLEGE LIBRARY
Acc. No.
Date
Nagaon

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) सम्प्रेषण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए सम्प्रेषण की उपयोगिताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'वृक्षारोपण की आवश्यकता' विषय पर चाचा-भतीजे के वीच हुए वार्तालाप का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(ग) निम्नलिखित विषय पर एक निबंध लिखिए :

(अ) अपने जीवन का लक्ष्य।

(आ) राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी।

(इ) प्रिय साहित्यकार।

(घ) अनुच्छेद लिखिए—'खोदा पहाड़ निकली चुहिया'।

(ङ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शिष्टाचार का सबसे पहला गुण है विनम्रता। हमारी वाणी में, हमारे व्यवहार में विनम्रता धुली होनी चाहिए। इसीलिए किसी बड़े के बुलाने पर 'हाँ', 'अच्छा', 'क्या', न कहकर 'जी हाँ' या 'जी नहीं' कहना चाहिए। किसी की वात का उत्तर ऐसे नहीं देना चाहिए कि सुननेवालों को लगे कि लट्ठ मारा जा रहा है। विनम्रता केवल बड़ों के प्रति नहीं होती। बराबरवालों और अपने से छोटों के प्रति भी नम्रता और स्नेह का भाव होना चाहिए। सभी से बोलते हुए हमारी वाणी में मिठास रहनी चाहिए, कटुता या कर्कशता नहीं। विनम्रता केवल भाषा की वस्तु नहीं। हमारे कर्म में भी विनम्रता होनी चाहिए। शिष्टाचारका दूसरा गुण है दूसरों की निजी बातों में दखल न देना। हर व्यक्ति का अपना एक निजी जीवन होता है। इसीलिए हमें अकारण किसी से उसका वेतन, उम्र, जाति, धर्म आदि पूछने से बचना चाहिए। यदि कोई कुछ लिख रहा है तो झाँक-झाँक कर उसे पढ़ने की चेष्टा नहीं करना चाहिए। किसी के घर या दफ्तर जाने पर उसकी वस्तुओं को बिना पूछे उलटने-पलटने लगना अशिष्टता है।

Acc. No.
Date
PHUKAN COLLEGE LIBRARY
Assam



किसी का नाम लेने या लिखने के पहले श्री, श्रीमती, श्रीमान या कुमारी लगाना अच्छी आदत है। कुछ लोग इनके स्थान पर पंडित, डॉक्टर, बाबू, लाला, मियाँ, मिर्ज़ा — जब जैसी आवश्यकता होती है, लगाते हैं। इसी तरह कुछ लोग नाम के बाद 'जी' लगाते हैं। यदि कोई हमारे लिए कोई काम करता है तो हमें उसके प्रति अपना कृतज्ञता अवश्य प्रकट करनी चाहिए। इसका सबसे सरल तरीका है उसे धन्यवाद देना। 'धन्यवाद' शब्द बोलते समय ऐसा लगना चाहिए कि हम उसे हृदय से धन्यवाद दे रहे हैं, केवल ऊपर-ऊपर से नहीं।

*प्रश्न :* $2 \times 5 = 10$

(अ) व्यक्ति की विनम्रता का पता कैसे चलता है?

(आ) अशिष्ट व्यवहार क्या होता है?

(इ) शिष्टाचार का विशेष गुण क्या क्या है।

(ई) किसी का नाम लिखने से पहले क्या लगाना चाहिए?

(उ) अपनी कृतज्ञता को कैसे प्रकट किया जाता है?